श्रीबगला भक्तमंदार मंत्र युक्त बगलाष्टोत्तर शतनाम पूजन विधि

(भगवती कृपा एवं सुखसमृद्धि प्राप्ति हेतु विशिष्ट साधन)

Gurudev Raj Verma

Contact- +91-9897507933, +91-7500292413(WhatsApp No.)

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

Shri Raj Verma ji
Mobile- 09897507933, 07500292413

श्रीनारद उवाच- भगवन् देवदेवेश सृष्टिस्थितिलयात्मकम्। शतमष्टोत्तरं नाम्नां बगलाया वदाऽधुना।।

श्रीभगवान् उवाच- श्रृणु वत्स प्रवक्ष्यामि नाम्नामष्टोत्तरं शतम्। पीताम्बर्याः महादेव्याः स्तोत्रं पापप्रणाशनम्।। यस्य प्रपठनात् सद्यो वादी मूको भवेत् क्षणात्। रिपूणां स्तम्भनं याति सत्यं सत्यं वदाम्यहम्।।

विनियोगः- ॐ अस्य श्रीपीताम्बराऽष्टोत्तर शतनाम स्तोत्र मंत्रस्य श्रीसदाशिव ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीपीताम्बरा देवता श्रीपीताम्बरी प्रीतये जपे विनियोगः।

ऋष्यादिन्यास :- श्रीसदाशिव ऋषये नमः शिरसि। अनुष्टुप् छन्दसे नमः मुखे। श्रीपीताम्बरा देवतायै नमः हृदये। श्रीपीताम्बरी प्रीतये जपे विनियोगाय नमः सर्वांगे।

ह्लां, ह्लीं, ह्लूं, ह्लैं, ह्लौं, ह्लः से षडंगन्यास करें :-

श्रीध्यानम्- पीताम्बर परीधानां पीन्नोन्नत पयोधराम्। जटामुकुट शोभाढ्यां पीतभूमि सुखासनाम्।। शत्रोर्जिह्वां मुद्गरं च विभ्रतीं परमां कलाम्। सर्वागम पुराणेषु विख्यातां भुवनत्रये।। सृष्टि स्थिति विनाशानामादि भूतां महेश्वरीम्। गोप्यां सर्वप्रयत्नेन ध्यायामि तां पुनः पुनः।। जगद् विध्वंसनीं देवीमजराऽमर कारिणीम्। तां नमामि महामायां महैश्वर्य दायिनीम्।।

भगवती के प्राणप्रतिष्ठित यंत्र, प्रतिमा या विग्रह के समक्ष धूपदीपक एवं अन्य उत्तम सामग्रियां अर्पित कर, मन्दार मंत्र का यथासम्भव जप करें। धन की विकट समस्या हो तो मंदार मंत्र की 21 माला कम से कम अवश्य करें। धनवान् व्यक्ति समय के अभाव धन के द्वारा असहाय एवं निर्धनों की सेवा कर तथा निर्धन मनुष्य धन के अभाव में शारीरिक तपश्चर्या (व्रत एवं जप) के माध्यम से ईश्वर को प्रसन्न करने का प्रयास करे। धन, राज्य, यश एवं कीर्ति लाभ हेतु श्रीबगला जप में स्वर्णमाला का प्रयोग सर्वोत्तम है। लगभग 25 ग्राम स्वर्ण में 108 मनकों की माला तैयार हो जाती है। जिन साधकों की इच्छा और सामर्थ्यता हो, वह अभिमंत्रित स्वर्णमाला हेतु हमसे सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अभाव में लक्ष्मी लाभ हेतु स्फटिक

माला उत्तम है। पूजन के समय साधक रुद्राक्ष अथवा रुद्राक्षमाला को कण्ठ या भुजा में अवश्य धारण करें।

मंत्र :- 'ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा।'

मंत्र जप के उपरान्त् भगवती के यंत्र अथवा प्रतिमा को एक सुन्दर पात्र में स्थापित कर दुग्ध-शहद-जल आदि से अभिषेक कराये। अभिषेक के समय देवीसूक्त, लक्ष्मीसूक्त अथवा मंदार मंत्र का उच्चारण कर सकते हैं। स्नानोपरान्त् लाल-पीले सुगन्धित पुष्पों, इत्र, लड्डू, सूखा मेवा अथवा इलायची आदि से (इनमें से जिस सामग्री की उपलब्धि हो) भगवती का शतार्चन आरम्भ करें। धनलाभ के लिये सभी सामग्रियां प्रशस्त हैं।

1- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबगला पूजयामि नमः।

2- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीविष्णु वनितायै पूजयामि नमः।

3- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीविष्णु शंकर भामिन्यै पूजयामि नमः।

4- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबहुलायै पूजयामि नमः।

5- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवेदमात्रे पूजयामि नमः।

6- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीमहाविष्णु प्रस्वै पूजयामि नमः।

7- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीमहामत्स्यायै पूजयामि नमः।

8- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीमहाकूमार्य पूजयामि नमः।

9- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीमहावाराह रूपिण्यै पूजयामि नमः।

10- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनरसिंहप्रियायै पूजयामि नमः।

11- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरम्यायै पूजयामि नमः।

12- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवामनायै पूजयामि नमः।

13- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबटुरूपिण्यै पूजयामि नमः।

14- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा।

श्रीजामद्ग्नय स्वरूपायै पूजयामि नमः।

15- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरामायै पूजयामि नमः।

16- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीराम प्रपूजितायै पूजयामि नमः।

17- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकृष्णायै पूजयामि नमः।

18- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकपर्दिन्यै पूजयामि नमः।

19- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकृत्यायै पूजयामि नमः।

20- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकलहायै पूजयामि नमः।

21- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकलविकारिण्यै पूजयामि नमः।

22- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबुद्धिरूपायै पूजयामि नमः।

23- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबुद्धभार्यायै पूजयामि नमः।

24- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबौद्ध पाखण्ड खण्डिन्यै पूजयामि नमः।

25- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकल्कि रूपायै पूजयामि नमः।

26- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकलिहरायै पूजयामि नमः।

27- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकलि दुर्गति नाशिन्यै पूजयामि नमः।

28- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकोटि सूर्य प्रतीकाशायै पूजयामि नमः।

29- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकोटि कन्दर्प मोहिन्यै पूजयामि नमः।

30- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकेवलायै पूजयामि नमः।

31- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकठिनायै पूजयामि नमः।

32- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकाल्यै पूजयामि नमः।

33- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकलायै पूजयामि नमः।

34- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकैवल्य दायिन्यै पूजयामि नमः।

35- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकेशव्यै पूजयामि नमः।

36- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकेशवाराध्यायै पूजयामि नमः।

37- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकिशोर्यै पूजयामि नमः।

38- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीकेशव स्तुतायै पूजयामि नमः।

39- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरूद्ररूपायै पूजयामि नमः।

40- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरूद्रमूर्त्यै पूजयामि नमः।

41- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरूद्राण्यै पूजयामि नमः।

42- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरूद्रेवतायै पूजयामि नमः।

43- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनक्षत्ररूपायै पूजयामि नमः।

44- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनक्षत्रायै पूजयामि नमः।

45- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनक्षत्रेश प्रपूजितायै पूजयामि नमः।

46- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनक्षत्रेश प्रियायै पूजयामि नमः।

47- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनित्यायै पूजयामि नमः।

48- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनक्षत्र पति वन्दितायै पूजयामि नमः।

49- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनागिन्यै पूजयामि नमः।

50- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनागजनन्यै पूजयामि नमः।

51- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनागराज प्रवन्दितायै पूजयामि नमः।

52- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनागेश्वर्यै पूजयामि नमः।

53- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनागकन्यायै पूजयामि नमः।

54- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनागर्यै पूजयामि नमः।

55- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनगात्मजायै पूजयामि नमः।

56- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनगाधिराज तनयायै पूजयामि नमः।

57- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा।

श्रीनगराज प्रपूजितायै पूजयामि नमः।

58- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनवीनायै पूजयामि नमः।

59- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनीरदायै पूजयामि नमः।

60- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीपीतायै पूजयामि नमः।

61- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीश्यामायै पूजयामि नमः।

62- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीसौन्दर्य कारिण्यै पूजयामि नमः।

63- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरक्तायै पूजयामि नमः।

64- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीनीलायै पूजयामि नमः।

65- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीघनायै पूजयामि नमः।

66- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीशुभ्रायै पूजयामि नमः।

67- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीश्वेतायै पूजयामि नमः।

68- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीसौभाग्यदायिन्यै पूजयामि नमः।

69- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीसुन्दर्यै पूजयामि नमः।

70- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीसौभागायै पूजयामि नमः।

71- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीसौम्यायै पूजयामि नमः।

72- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीस्वर्णाभायै पूजयामि नमः।

73- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीस्वर्गति प्रदायै पूजयामि नमः।

74- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरिपुत्रासकर्यै पूजयामि नमः।

75- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरेखायै पूजयामि नमः।

76- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीशत्रु संहारकारिण्यै पूजयामि नमः।

77- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीभामिन्यै पूजयामि नमः।

78- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीमायायै पूजयामि नमः।

79- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीस्तम्भिन्यै पूजयामि नमः।

80- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीमोहिन्यै पूजयामि नमः।

81- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीशुभायै पूजयामि नमः।

82- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरागद्वेषकर्यै पूजयामि नमः।

83- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरात्र्यै पूजयामि नमः।

84- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीरौरवध्वंसकारिण्यै पूजयामि नमः।

85- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीयक्षिण्यै पूजयामि नमः।

86- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं हि-देहि स्वाहा। श्रीसिद्धनिवहायै पूजयामि नमः।

87- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीसिद्धेशाय पूजयामि नमः।

88- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीसिद्धिरूपिण्यै पूजयामि नमः।

89- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीलंकापतिध्वंसकर्यै पूजयामि नमः।

90- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीलंकेष रिपु वन्दितायै पूजयामि नमः।

91- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीलंकानाथ कुलहरायै पूजयामि नमः।

92- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीमहारावण हारिण्यै पूजयामि नमः।

93- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीदेव दानव सिद्धौघ पूजिता परमैश्वर्यै पूजयामि नमः।

94- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीपराणुरूपा परमायै पूजयामि नमः।

95- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीपरतंत्र विनाशिन्यै पूजयामि नमः।

96- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवरदायै पूजयामि नमः।

97- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवरदाऽऽराध्यायै पूजयामि नमः।

98- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवरदान परायणायै पूजयामि नमः।

99- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवरदेशप्रियावीरायै पूजयामि नमः।

100- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवीरभूषणभूषितायै पूजयामि नमः।

101- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीवसुदायै पूजयामि नमः।

102- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबहुदावाण्यै पूजयामि नमः।

103- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीब्रह्मरूपा वराननायै पूजयामि नमः।

104- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीबलदायै पूजयामि नमः।

105- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीपीतवसना पीतभूषण भूषितायै पूजयामि नमः।

106- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीपीतपुष्प प्रियायै पूजयामि नमः।

107- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीपीतहरायै पूजयामि नमः।

108- ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा। श्रीपीतस्वरूपिण्यै पूजयामि नमः।

शतार्चन करने के उपरान्त् पूर्व की भांति ऋष्यादिन्यास, षडंगन्यास, ध्यान एवं पूजनोपचार करके समस्त जपक्रिया भगवती को समर्पित करें। इस पूर्ण विधान को नित्य दो बार एक माह तक अवश्य करना चाहिये। इनके साथ में स्वर्णाकर्षण भैरव का जप एवं दीपदान करने से त्वरित लाभ मिलता है। सुयोग्य गुरु के मार्गदर्शन में इस विधान का अनुसरण करना अत्यात्तुम है।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

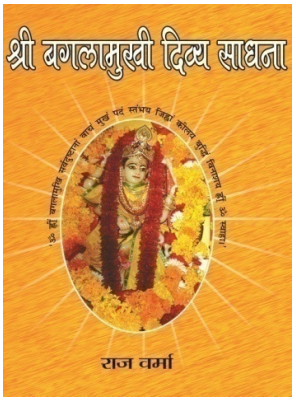

श्री बगलामुखी दिव्य साधना
राज वर्मा